ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८ १२५

बुलेटिन संख्या-३६
दिनांक-शुक्रवार,१७ मई,२०१६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३७.६ एवं २५.७ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८० सुबह में एवं दोपहर में ५३ प्रतिशत, हवा की औसत गति ६.६ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ५.८ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ८.६ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में ३०.५ एवं दोपहर में ४०.६ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(१८-२२ मई,२०१६)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी १८-२२ मई, २०१६ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के बादल देखे जा सकते है तथा इस दौरान मौसम के आमतौर पर शुष्क रहने की संभावना है। हलाकि तराई क्षेत्रों में २१ से २२ मई के आस-पास १-२ स्थानों में बुंदा-बुंदी हो सकती है।
- अधिकतम तापमान ३८ से ४१ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। न्यूनतम तापमान २५ से २७ डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है।
- पूर्वानुमानित अवधि में मुख्यतः पूरवा हवा औसतन ८ से १२ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से रहने का अनुमान है। हालाकि १८-१६ मई में कहीं-कहीं पछिया हवा चल सकती है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ६५ से ७५ प्रतिशत तथा दोपहर में ४५ से ५५ प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- पूर्वानुमानित अवधि में तापमान में वृद्धि तथा मौसम के शुष्क रहने की संभावना को देखते हुए किसान भाई गरमा सब्जियों, हरा चारा की फसलें, बसन्तकालीन मक्का, पिछात मुंग एवं उरद की फसल तथा अन्य खड़ी फसलों में जीवन रक्षक सिंचाई करें। सिंचाई का कार्य शाम के वक्त जब हवा की गति कम हो उस दौरान करें। रबी मक्का की तैयार फसलों की कटनी तथा दौनी एवं दानो को सुखाने के लिए मौसम अनुकुल है। इस कार्य को उच्च प्राथमिकता दे कर सम्पन्न करें।
- गेहूँ की कटाई के बाद खाली खेतों की गहरी जुताई कर खेत को खुला छोड़ दें ताकि सुर्य की तेज धुप मिट्टी में छिपे किड़ों के अण्डे, प्युपा एवं घास के बीजों को नष्ट कर दें।
- अगात मूंग, उरद की तैयार फलियों की तुड़ाई कर ले। पिछात बोयी गयी मूंग एवं उरद् की फसल में पीला मोजैक रोग की निगराणी करें। यह विषाणु द्वारा उत्पन्न होने वाला विनाशकारी रोग है जो सफेद मक्खी (एक रस चुसक कीट) के द्वारा फसल में प्रसारित होता है। इसके शुरूवाती लक्षण पत्तियों पर पीले धब्बे के रूप दिखाई देता है, बाद में पत्तियाँ तथा फलियाँ पूर्ण रूप से पीली हो जाती है। इन पत्तियों पर उत्तक क्षय भी देखा जाता है। फलन काफी प्रभावित होता है। उपचार हेतु रोग ग्रसित पौधों को शुरू में ही उखाड़ कर नष्ट कर दें तथा इमिडाक्लोरोप्रिड १७.८ एस० एल० /०.३ मि०ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।
- बसन्तकालीन मक्का में आवश्यक नमी हेतु सिंचाई करें तथा तना छेदक कीट की निगराणी करें। वर्त्तमान मौसम इस कीट के फैलाव के लिए अनुकूल है। अण्डे से निकलने के बाद इस कीट की छोटी-छोटी सुंडियाँ मक्का की कोमल पत्तियों को खाती है तथा मध्य कलिका की पत्तियों के बीच घुसकर तने में पहूँच जाती है तथा गुद्दा को खाती हुई जड़ की तरफ बढ़ते हुए सुरंग बनाती है। फलस्वरुप मध्य कलिका मुरझाई हुई नजर आती है जो बाद में सुख जाती है। इस प्रकार पौधे की बढ़वार रुक जाती है एवं उपज में काफी कमी आती है। इस कीट के रोक-थाम हेतु क्लोरपाईरिफॉस २० ई०सी० दवा का २.५ मि०ली०/लीटर पानी की दर से घोल बनाकर फसल में समान रुप से छिडकाव करें।
- वर्त्तमान मौसम में लत्तर वाली सब्जियों जैसे नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा फसलों में सिंचाई का विशेष ध्यान रखें जिससे अधिक पैदावार सुनिश्चित हो सकें। इन फसलों में फल मक्खी कीट की निगरानी करें। यह इन फसलों को क्षति पहुचाने वाला प्रमुख कीट है। मादा कीट मुलायम फलों की त्वचा के अन्दर अंडे देती है। अंडे से पिल्लू निकलकर अन्दर ही अन्दर फलों के भीतरी भाग को खाता है। जिसके कारण पूरा फल सड़ कर नष्ट हो जाता है। इस कीट का प्रकोप शुरू होते ही १ किलोग्राम छोआ (गुड़), २ लीटर मैलाथियान ५० ई०सी० को १००० लीटर पानी मे घोल कर प्रति हेक्टेयर की दर से १५ दिनों के अन्तराल पर दो बार छिड़काव करें।
- शुष्क एवं गर्म मौसम में भिंडी की फसल में माइट कीट का प्रकोप अधिक रहता है अतः किसान नियमित रुप से फसल में इसकी निगरानी करें। माइट कीट प्रकोप दिखाई देने पर ईथियॉन @ १.५ से २ मि०ली० प्रति ली० पानी की दर से छिड़काव करे।
- हल्दी एवं अदरक की बुआई करें। हल्दी की राजेन्द्र सोनिया, राजेन्द्र सोनाली किस्में तथा अदरक की मरान एवं नदिया किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुशंसित है।
- आम एवं लीची के बगीचों में नमी बनाये रखें। इसके लिए सिंचाई की व्यवस्था करें।

आज का अधिकतम तापमानः ३६.४ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ३.२ डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः २५.२ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.४ डिग्री सेल्सियस अधिक

नोडल पदाधिकारी